महावीर मन्दिर में हनुमानजी के नाम दिव्य अर्पण एवं वैदिक कर्मकाण्ड की व्यवस्था

दिव्य अर्पण-

इसके लिए मन्दिर में श्रद्धालुओं की सदेह उपस्थित अनिवार्य नहीं है, क्योंकि इन देव-अर्पणों के लिए मन्दिर के पुजारी संकल्प करते हैं। अतः इनके लिए श्रद्धालु देश-विदेश से ऑनलाइन माध्यम से शुल्क भेजते रहते हैं। इनका भुगतान नीचे दिए गए किसी भी भीम यू० पी० आई० या अकॉउंट के माध्यम से ऑनलाइन अथवा मन्दिर के कैश काउंटर से किया जा सकता है।

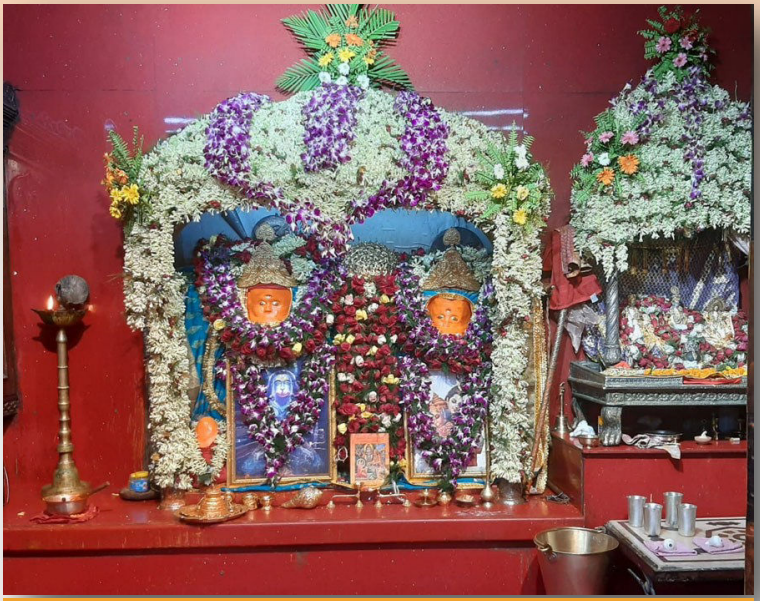

गर्भगृह में विराजते हनुमानजी के दो विग्रह

भुगतान रसीद और विवरण मेल : mahavirmandir@ gmail.com पर भेजना होता है। जिसमें निम्नलिखित सूचनाएँ रहती हैं-

1. श्रद्धालु का नाम, 2. डाक पता, 3. दिव्य-अर्पण का नाम, 4. किस दिन के लिए करना चाहते हैं, 5. किसके नाम से कराना चाहते हैं, 6. गोत्र (यदि देना चाहते हों), 7. मोबाइल न. 8. भुगतान की रसीद।

ई-मेल से यह सूचनाएँ प्राप्त होने पर प्राप्ति रसीद की स्कैन कॉपी उसी ईमेल में उत्तर के रूप में भेज दिया जाता है।

ऑनलाइन भुगतान निम्नलिखित तरीके से किया जा सकता है-

1. किसी भी यू.पी.आइ के माध्यम से

इसके लिए महावीर मन्दिर के वेबसाइट https://mahavirmandirpatna.org/donation.php पर विस्तार से देख सकते हैं। मन्दिर एवं मन्दिर के द्वारा संचालित अस्पतालों के लिए को दिये जाने वाले अन्य प्रकार के दान के सम्बन्ध में भी उक्त पृष्ठ पर विस्तार से विवरण दिया गया है।

2. भारत से दान के लिए खाता विवरण

SHRI MAHAVIR STHAN NYAS SAMITI
Bank : STATE BANK OF INDIA
A/C NO : 31911260294
IFSC : SBIN0004070
BRANCH : SPB PATNA

भगवान् का भोग, अन्य दिन - रु. 1101.00, रामनवमी के दिन- रु. 5500.00

मन्दिर में प्रतिदिन मध्याह्न आरती एवं सन्ध्या आरती से पहले सभी देवताओं को अन्न-भोग अर्पित किया जाता है। भक्तों द्वारा जमा किये गये शुल्क से इसकी व्यवस्था की जाती है तथा स्थानीय भक्त इसका प्रसाद ग्रहण करते हैं।

अखण्ड-ज्योति, सभी दिन- रु.501.00

मुख्य देवता हनुमान् के गर्भगृह में घी का अखण्ड दीप जलता है। जो भक्त इसके लिए शुल्क जमा करते हैं उनके नाम से संकल्प लेकर इसी दीप में घी डाला जाता है।

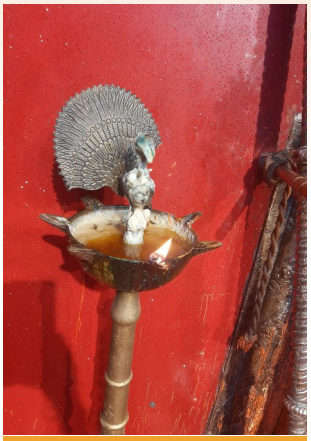

मन्दिर के गर्भगृह में हनुमानजी के दाहिने जलता हुआ दीप

सिन्दूर श्रृंगार, सामान्य दिन- रु. 251.00, शनिवार - रु. 351.00, मंगलवार/विशेष दिन- रु.501.00

हनुमान् की प्रतिमा पर प्रतिदिन सिन्दूर-लेपन का विधान है। प्रातःकाल में मन्दिर के पुजारी प्रतिमा की पूजा के समय स्नानादि कर्म के बाद सिन्दूर से श्रृंगार करते हैं। इसी समय वस्त्र परिवर्तन होता है। वार के अनुसार वस्त्र का रंग परिवर्तित होता है। जो भक्त इसके लिए शुल्क जमा करते हैं उनके नाम से संकल्प कर यह सिन्दूर-श्रृंगार किया जाता है। स्थानीय भक्त वार के हिसाब से वस्त्र बनवाकर भी अर्पित कर जाते हैं।

साधु सेवा, रु. 501.00

भक्तों द्वारा जमा किए गये शुल्क से मन्दिर में साधुओं के लिए दो समय भोजन की नियमित व्यवस्था है लगभग २०० साधु-संन्यासी, महात्मा प्रतिदिन भोजन करते हैं। रेलवे स्टेशन के निकट होने के कारण साधुओं की अच्छी संख्या जुट जाती है।

यह कोरोना महामारी से पूर्व

दरिद्रनारायण भोज

सामान्य दिन - ₹ 751.00

मंगलवार/शनिवार/विशेष दिन - ₹ 1001.00

विशिष्ट दरिद्रनारायण भोज - ₹ 2100.00

भक्तों द्वारा दिये गये धन से मन्दिर द्वारा एक बार अपराह्ण 4 बजे जरूरतमंदों को भोजन कराया जाता है। स्थानीय श्रद्धालु उस समय आकर अपने हाथों भी भोजन परोस कर खिलाते हैं। कोरोना काल में महावीर कैंसर संस्थान में खिलाने की व्यवस्था की गयी थी। सभी दाताओं का नाम मन्दिर में रखे गये दैनिक बोर्ड पर लिखा जाता है। जो स्थानीय श्रद्धालु परोसने में भी सहायता करना चाहते हैं उनका स्वागत किया जाता है।

मन्दिर की ध्वजा के लिए संकल्प, रु. 2100.00

प्रत्येक पूर्णिमा के दिन मन्दिर में ध्वज पूजन तथा ध्वज-परिवर्तन होता है। इसके लिए यह शुल्क है। शुल्क जमा करने वाले के नाम से संकल्प कर ध्वज डाला जाता है।

मुख्य गर्भगृह में हनुमानजी का पुष्प श्रृंगार, अन्य दिन रु. 5500.00, विशेष दिन- रु. 11000.00

गर्भ गृह को प्रतिदिन फूल से व्यापक रूप में सजाया जाता है। इसके लिए श्रद्धालु इस राशि को जमा कराते हैं। विशेष दिनों में गर्भगृह के साथ साथ बाहर भी मन्दिर को सजाया जाता है।

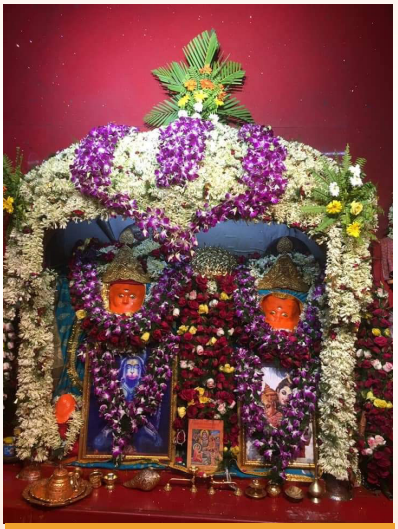

पुष्प श्रृंगार

वैदिक-कर्मकाण्ड

वैदिक कर्मकाण्डों के लिए पहले से शुल्क जमाकर समय एवं दिन निश्चित कर लिया जाता है। इसी शुल्क में पुरोहित की दक्षिणा भी सम्मिलित है। पूजा करानेवाले को अपने साथ कुछ भी लाने की आवश्यकता नहीं है। पूजा के दिन यजमान की सदेह उपस्थिति अनिवार्य है। उन्हीं को पूजा पर बैठना होता है। यदि यजमान स्वयं उपस्थित होने में असमर्थ हैं, तो उनके निकटतम रक्त सम्बन्धी (पति, पत्नी, माता, पिता, सोदर भाई, बहन आदि) आकर पूजा संपन्न कर सकते हैं।

श्रीरुद्राभिषेक, विशेष रुद्राभिषेक (अनुष्ठान तीन घंटा) सत्यनारायण कथा, हनुमत्-पूजन, रामार्चा-पूजन बृहद्-मनोकामना यज्ञ, जन्म-मंगलानुष्ठान, ग्रहशान्ति हवन, रोगशन्ति हवन, विशेष हवन, मुण्डन, महामृत्युंजय जप, अन्य ग्रहमन्त्र जप (केवल वैदिक मन्त्र), सन्तान-गोपाल-मन्त्र जप, सुन्दरकाण्ड रामचरितमानस (पाठ), सुन्दरकाण्ड वाल्मीकि-रामायण, हनुमानचालीसा पाठ (न्यूनतम 108), श्रीदुर्गासप्तशती (सामान्य पाठ), श्रीदुर्गासप्तशती (संपुट पाठ), श्रीरामरक्षा-स्तोत्र पाठ (न्यूनतम 5), कलश-स्थापना (नवरात्र में) ये कर्मकाण्ड महावीर मन्दिर पर विद्वान् वैदिक पुरोहितों के द्वारा सम्पन्न कराये जाते हैं।

***

अद्यतन जानकारी हेतु महावीर मन्दिर के वेबसाइट https://mahavirmandirpatna.org/ का अवलोकन करें।